Fa – जंगली पौधों का दृष्टान्त समझाया गया मत्ती १३:३६-४३ | 1

– Save This Page as a PDF–

जंगली पौधों का दृष्टान्त समझाया गया

मत्ती १३:३६-४३

खोदाई: इस दृष्टांत में और मत्ती १३:२४-३० में भी किसान कौन है? गेहूँ क्या दर्शाता है? खरपतवार? दुश्मन? फ़सल? ये दृष्टान्त उस बात से किस प्रकार संबंधित हैं जो मत्तित्याहू ७:१५-२० इंगित करता है कि गेहूं और जंगली पौधों के संबंध में परमेश्वर की सभाओं में हमारी जिम्मेदारी क्या है? ये दृष्टान्त परमेश्वर की सभाओं में पवित्रता के बारे में क्या सिखाते हैं? दिव्य धैर्य? मानवीय जवाबदेही?

चिंतन: इस दृष्टांत में और मत्ती १३:२४-३० में भी, पाप को कम करने से आपके चर्च या मसीहाई आराधनालय को कैसे नुकसान हो सकता है? यह अन्य विश्वासियों को कैसे नुकसान पहुंचा सकता है? यह अविश्वासियों को कैसे चोट पहुँचा सकता है? जहां प्रभु ने तुम्हें रखा है वहां फसल का खेत कैसा है? आप किस प्रकार का आध्यात्मिक भोजन खा रहे हैं?



उस शाम किसी समय जब वे अंततः अकेले थे, येशुआ के
प्रेरित उसके पास आए और कहा: हमें खेत में जंगली पौधों का दृष्टांत समझाओ (मत्ती १३:३६)। वे शायद पूरे दिन इसके बारे में सोचते रहे थे। अच्छे गेहूँ के साथ दुष्ट जंगली पौधों को क्यों रहने दिया जाएगा? यदि किसान ने मालिक के नौकरों की सलाह के अनुसार काम किया होता, और सभी खरपतवार को तुरंत बाहर निकाला और नष्ट कर दिया होता, तो बारहों को आसानी से समझ में आ गया होता। लेकिन वे किसान की प्रतिक्रिया से हैरान थे क्योंकि अनुग्रह का वितरण और युग का अंत उनके लिए एक रहस्य था। उनका स्पष्टीकरण काफी सरलता से शुरू हुआ।

Fa – जंगली पौधों का दृष्टान्त समझाया गया मत्ती १३:३६-४३ | 2

खिलाड़ी: किसान स्वयं यीशु मसीह है। उसने उत्तर दिया: जिसने अच्छा बीज बिखेरा वह मनुष्य का पुत्र है (मत्ती १३:३७)। यही वह उपाधि है जिसका उपयोग मसीह ने स्वयं को संदर्भित करने के लिए किसी भी अन्य से अधिक किया। इसने खूबसूरती से उसकी पहचान की क्योंकि उसने मानव जीवन में पूर्ण मनुष्य, अंतिम आदम (प्रथम कुरिन्थियों १५:४५-४७), और मानव जाति के पाप रहित प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। यह यहूदियों द्वारा मसीहा (दानिय्येल ७:१३; ल्यूक २२:६९) के संदर्भ में स्पष्ट रूप से समझा जाने वाला एक शीर्षक भी था। नई वाचा में दूसरों द्वारा येशुआ शीर्षक का उपयोग केवल दो बार किया गया है, एक बार रब्बी शाऊल द्वारा (प्रेरितों ७:५६) और एक बार योचनान द्वारा (प्रकाशितवाक्य १४:१४)।

यह क्षेत्र संसार है, न कि चर्च या यहूदी लोग (मत्तीयाहू १३:३८ए)। तात्पर्य यह है कि किसान – मनुष्य का पुत्र – खेत का मालिक है। उनके पास इसका शीर्षक विलेख है (प्रकाशितवाक्य पर मेरी टिप्पणी देखें Ce– यहूदा की जनजाति का शेर, दाउद की जड़ की जीत हुई है)। वह इसका कोषेर राजा है, और वह वहां अपनी फसल उगाता है। वह क्या बिखेरता है? और अच्छा बीज विश्वासियों, या स्वर्ग के राज्य के लोगों का प्रतीक है (मत्ती १३:३८बी)। जिनके पास खुशखबरी की सच्चाई है वे उसके क्षेत्र, दुनिया भर में तितर-बितर हो जाएंगे।

विरोधी ही शत्रु है. जंगली पौधे दुष्ट के लोग हैं (मत्ती १३:३८सी), और जो शत्रु उन्हें बोता है वह शैतान है। जंगली पौधे अविश्वासी हैं। दुष्ट के लोग वाक्यांश उस शब्दावली के समान है जिसका उपयोग प्रभु ने जॉन ८:४४ में किया था जब उन्होंने फरीसियों को यह कहकर डांटा था: तुम अपने पिता शैतान के हो। इसके अलावा, पहला यूहन्ना ३:१० इंगित करता है कि वे सभी जो परमेश्वर की संतान नहीं हैं, शैतान की संतान हैं। प्राचीन सर्प भी अपने अनुयायियों को दुनिया भर में फैलाएगा और अक्सर उसके लोग वास्तविक विश्वासी भी प्रतीत होंगे। आज एक सांसारिक मान्यता है कि सारी मानवता एक-दूसरे से जुड़ी हुई है – कि हम सभी भाई-बहन हैं। और जबकि हम सभी परमेश्वर की छवि में बनाए गए हैं, सच्चाई से आगे कुछ भी नहीं हो सकता है। दुनिया में दो परिवार हैं. आप या तो परमेश्वर के परिवार में हैं या शैतान के परिवार में हैं। वहां कोई मध्य क्षेत्र नही है।

कथानक: दृष्टान्त का अर्थ स्पष्ट होना चाहिए। मनुष्य के पुत्र – यीशु – ने अपने साम्राज्य की संतानों को दुनिया में बिखेर दिया। आत्माओं के शत्रु – महान अजगर – ने फसल की पवित्रता को नष्ट कर दिया, अपने बच्चों को मनुष्य के पुत्र द्वारा बिखरे हुए बच्चों के साथ मिला दिया। प्रलोभन देने वाले के ये अविश्वासी बच्चे दुनिया में विश्वासियों के साथ-साथ रहते हैं। अंतिम न्याय में परमेश्वर गेहूँ को जंगली घास से अलग करेगा।

योजना: फसल युग का अंत है, और फसल काटने वाले देवदूत हैं। रहस्य साम्राज्य युग के अंत में निर्णय उन्हें अलग कर देगा (यीशु उन शब्दों का उपयोग कर रहे हैं जिनका

Fa – जंगली पौधों का दृष्टान्त समझाया गया मत्ती १३:३६-४३ | 3

उपयोग जॉन द बैपटिस्ट ने किया था)। फसल कटने तक दोनों को एक साथ बढ़ने दें क्योंकि प्रत्येक बिखराव का आवश्यक चरित्र केवल उसी समय निश्चित होगा। तब मैं फसल काटनेवालों से कहूंगा, पहिले जंगली पौधे इकट्ठा करके जलाने के लिये गट्ठर बान्ध लो; फिर गेहूँ को इकट्ठा करके मेरे खत्ते में ले आना” (मत्ती १३:३९-४०)।

कटाई करने वाले जंगली घास से गेहूं का पता कैसे लगाएंगे? मुद्दा, हमेशा की तरह, उनके द्वारा उत्पादित आध्यात्मिक फल है। प्रारंभ में, खरपतवार गेहूं की तरह दिख सकते हैं। लेकिन अंततः, खरपतवार गेहूँ के दाने पैदा नहीं कर सकते। परिपक्व अनाज स्पष्ट रूप से गेहूं को खरपतवार से अलग करता है। आध्यात्मिक क्षेत्र में भी ऐसा ही है। दुष्ट लोग परमेश्वर के राज्य के बच्चों की नकल कर सकते हैं, लेकिन वे सच्ची धार्मिकता उत्पन्न नहीं कर सकते। एक अच्छा पेड़ बुरा फल नहीं ला सकता, और एक बुरा पेड़ अच्छा फल नहीं ला सकता। इस प्रकार, उनके फल से आप उन्हें पहचान लेंगे (मत्तीयाहू ७:१८ और २०)।

अंतिम न्याय अच्छे गेहूँ को बुरे खरपतवार से अलग कर देगा। जैसे जंगली पौधों को उखाड़ कर आग में जला दिया जाता है, वैसे ही युग के अंत में होगा (मत्ती १३:४० और ७:१९)। मनुष्य का पुत्र (देखें Gl– मनुष्य के पुत्र के पास अपना सिर रखने के लिए कोई जगह नहीं है) अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य से उन सभी को बाहर निकाल देंगे जो पाप का कारण बनते हैं और उन सभी को जो उसके वचन की अवज्ञा करके बुराई करते हैं (मत्ती १३:४१). युग के अंत में न्याय मसीहा साम्राज्य के लिए अच्छे गेहूं को अलग कर देगा, लेकिन बुरी जंगली घास को बाहर कर दिया जाएगा।

वे उन्हें धधकती भट्ठी में फेंक देंगे (मत्ती १३:४२ए)। आग मानव जाति को ज्ञात सबसे बड़ी पीड़ा का कारण बनती है, और धधकती भट्ठी जिसमें पापियों को फेंक दिया जाता है, नरक की कष्टदायी पीड़ा का प्रतिनिधित्व करती है, जो हर अविश्वासी की नियति है। नरक की आग कभी नहीं बुझती (मरकुस ९:४४), शाश्वत है (मत्ती २५:४१), और अंत में जलती हुई गंधक की ज्वलंत झील के रूप में देखी जाती है (प्रकाशितवाक्य १९:२०सी)। सज़ा इतनी भयावह है कि रूआच हाकोडेश इसे एक ऐसी जगह के रूप में वर्णित करता है जहां रोना और दांत पीसना होगा (मत्ती १३:४२ बी)। नरक कोई ऐसी जगह नहीं होगी, जैसा कि कुछ लोग मज़ाक में कल्पना करते हैं, जहां अधर्मी लोग अपना काम करते रहेंगे जबकि धर्मी लोग स्वर्ग में अपना काम करते रहेंगे। यह “प्रत्येक के लिए अपनी” बात नहीं है। नरक में कोई मित्रता नहीं होगी, कोई संगति नहीं होगी, कोई सौहार्द नहीं होगा, कोई आराम नहीं होगा, और कोई आशा नहीं होगी। बड़ा अजगर नरक का राजा नहीं होगा, बल्कि उसका नंबर एक कैदी होगा। नरक में किसी भी प्रकार का कोई सुख नहीं होगा, केवल दिन-रात युगानुयुग पीड़ा ही होगी (प्रकाशितवाक्य २०:१०)।

यीशु के स्पष्टीकरण के अंतिम शब्द सकारात्मक, सुंदर और आशावादी हैं। तब धर्मी अपने पिता के राज्य में सूर्य के समान चमकेंगे (मत्ती १३:४३ए)। जब मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों के साथ वापस आएगा, तो वे न केवल दुष्टों को शाश्वत दंड के

Fa – जंगली पौधों का दृष्टान्त समझाया गया मत्ती १३:३६-४३ | 4

लिए, बल्कि धर्मियों को भी शाश्वत आशीर्वाद के लिए पूरी तरह से अलग कर देंगे। और वह तुरही के ऊंचे स्वर के साथ अपने स्वर्गदूतों को भेजेगा, और वे आकाश के एक छोर से दूसरे छोर तक, चारों दिशाओं से उसके चुने हुओं को इकट्ठा करेंगे (मत्ती २४:३१)। फिर यरूशलेम से पृथ्वी पर येशुआ हा-मेशियाक का लंबे समय से प्रतीक्षित और लंबे समय से स्थगित हजार साल का शासन आता है।

कम से कम कोई भी इन सच्चाइयों को गंभीरता से लेने में विफल रहता है जो भयानक और शानदार दोनों हैं, मसीह कहते हैं: जिसके पास कान हों वह सुन ले (मत्ती १३:४३बी)। जो लोग यहोवा के साथ अपने रिश्ते के बारे में अनिश्चित हैं, उन्हें खुद से पूछना चाहिए कि क्या वे गेहूं हैं या महज एक नकली घास है जो गेहूं की तरह दिखती है, क्या वे परमेश्वर की संतान हैं या धोखेबाज की संतान हैं। मित्र, यदि आप ईश्वर के नहीं हैं, तो आप ईश्वर पर विश्वास कर सकते हैं, उस पर भरोसा कर सकते हैं और उस पर विश्वास कर सकते हैं क्योंकि वह जंगली घास से गेहूँ और पापियों से विश्वासी बनाने का काम करता है।

हममें से जो लोग आश्वस्त हैं कि हम ईश्वर की संतान हैं, उन्हें सुनना चाहिए कि मुख्य चरवाहा यहां क्या कहता है ताकि दुनिया के प्रति हमारा रवैया हमारे परमेश्वर का प्रेमपूर्ण, दयालु, करुणामय रवैया हो – जिसने हमें निंदा करने के बजाय गवाही देने के लिए बुलाया है। नफरत के बजाय प्यार करना, आलोचना के बजाय दया दिखाना। इस तरह हम विकृत और कुटिल पीढ़ी में खुद को निर्दोष और दोष रहित ईश्वर की शुद्ध संतान साबित करते हैं। तब तुम उनके बीच आकाश के तारों के समान चमकोगे (फिलिप्पियों २:१५)।